जीवन में मिली सफलता को कैसे संभालें

राजा दाऊद (भाग 2) — सार्वजनिक पहचान

***रविवार का संदेश*, 13 *सितंबर*, 2026**

हम बाइबल में राजा दाऊद के जीवन के जीवन-परिचय के अध्ययन को आगे बढ़ाते हैं।

पिछले सप्ताह हमने शुरुआत — उसके जीवन के प्रारम्भिक चरण — पर विचार किया।

हमने जीवन के लिए एक अच्छी नींव कैसे बनाएँ, इस विषय में मुख्य बातें सीखीं।

आज हम सीखते हैं कि जीवन में मिली सफलता को कैसे संभालें, जब हम दाऊद के जीवन के दूसरे चरण को देखते हैं, जब उसे गुमनामी से निकालकर लोगों के सामने प्रकट किया गया।

दृश्यता

सन्दर्भ:
1 शमूएल अध्याय 16 और 17

दाऊद के जीवन के इस चरण का संक्षिप्त अवलोकन करने के लिए हम कुछ प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालते हैं।

दाऊद शाऊल के लिए वीणा बजाता है

दाऊद को राजा शाऊल के दरबार में वीणा बजाने और शाऊल को शान्त करने के लिए लाया गया, क्योंकि वह एक दुष्ट आत्मा से पीड़ित था।

दाऊद और गोलियत

परमेश्वर पर विश्वास के द्वारा दाऊद ने गोफन और एक पत्थर से पलिश्ती दानव गोलियत को मार डाला और इस्राएल को बड़ी विजय दिलाई।

दाऊद — एक राष्ट्रीय नायक

लगभग रातों-रात दाऊद एक राष्ट्रीय नायक बन गया। पूरे इस्राएल में लोग उसका नाम जानने लगे और उसकी वीरता तथा उपलब्धि के गीत गाने लगे। राजा शाऊल ने दाऊद को सेना का सेनापति नियुक्त किया।

दाऊद और योनातान — मित्र

इस समय दाऊद की राजा शाऊल के पुत्र योनातान के साथ गहरी मित्रता हो गई।

दाऊद ने बुद्धिमानी से व्यवहार किया

दुःख की बात है कि राजा शाऊल दाऊद से ईर्ष्या करने लगा और उसे मारने का प्रयास करने लगा। ऐसा लगता था कि राजा शाऊल दाऊद को नष्ट करने पर तुला हुआ था। फिर भी, इन सभी परिस्थितियों में दाऊद ने बुद्धिमानी से व्यवहार किया।

1 शमूएल 18:5,14,30

5 इसलिए दाऊद जहाँ कहीं शाऊल उसे भेजता था, वहाँ जाता था और बुद्धिमानी से व्यवहार करता था।

14 और दाऊद अपने सभी कामों में बुद्धिमानी से व्यवहार करता था, और यहोवा उसके साथ था।

30 तब पलिश्तियों के प्रधान युद्ध करने के लिए निकलते थे। और जब भी वे निकलते थे, दाऊद शाऊल के सभी सेवकों से अधिक बुद्धिमानी से व्यवहार करता था, इसलिए उसका नाम बहुत प्रतिष्ठित हो गया।

आइए मुख्य बातों और जीवन के पाठों को सीखें।

मुख्य बातें

#1, एक साधारण कार्य असामान्य अवसर का द्वार खोल सकता है

दाऊद अपने पिता की भेड़ों की देखभाल करता था और आवश्यकता पड़ने पर राजा शाऊल के लिए वीणा बजाने जाता था।

एक दिन दाऊद के पिता ने उससे उसके भाइयों के लिए भोजन ले जाने को कहा।

इस साधारण कार्य ने दाऊद के लिए अन्ततः गोलियत से लड़ने का अवसर खोल दिया।

1 शमूएल 17:17-18

17 तब यिशै ने अपने पुत्र दाऊद से कहा, "अब अपने भाइयों के लिए इस सूखे अनाज का एक एपा और ये दस रोटियाँ ले जा और अपने भाइयों के पास छावनी में दौड़कर जा।

18 और ये दस पनीर के टुकड़े उनके हजार के प्रधान के पास ले जा, और देख कि तेरे भाई कुशल से हैं या नहीं, और उनके समाचार ले आ।"

बड़े द्वार छोटी-छोटी कुंडियों पर घूमते हैं।

आपके सामने आने वाली छोटी-छोटी जिम्मेदारियों के लिए तैयार रहें — वे सम्भवत: असामान्य अवसरों के द्वार खोल सकती हैं।

#2, वह करने के लिए तैयार रहें जिसे करने के लिए कोई और तैयार नहीं है

1 शमूएल 17:32

तब दाऊद ने शाऊल से कहा, "किसी मनुष्य का मन उसके कारण छोटा न हो; तेरा दास जाकर इस पलिश्ती से लड़ेगा।"

जब पूरी इस्राएली सेना भय में खड़ी थी, तब दाऊद खड़ा हुआ और गोलियत से लड़ने के लिए तैयार था।

सम्भवत:, परमेश्वर में अपने विश्वास के अतिरिक्त, दाऊद उस इनाम को पाने के लिए भी उत्साहित था जो उसे मिल सकता था — "जो मनुष्य उसे मारेगा, राजा उसे बहुत धन से धनी करेगा, अपनी बेटी उसे देगा, और उसके पिता के घराने को इस्राएल में कर से मुक्त करेगा।" (1 शमूएल 17:25)

परमेश्वर आपको उस दानव को गिराने के लिए भेजता है जिसका सामना करने के लिए कोई और तैयार नहीं है।

ऐसी समस्या का समाधान करें जिसे कोई और हल नहीं करना चाहता।

#3, सिंहों और भालुओं को मारना आपको गोलियतों को मारने के लिए तैयार करता है

1 शमूएल 17:34-36

34 परन्तु दाऊद ने शाऊल से कहा, "तेरा दास अपने पिता की भेड़ें चराता था, और जब कोई सिंह या भालू झुंड में से मेम्ना उठा ले जाता था,

35 तब मैं उसके पीछे जाता और उसे मारकर मेम्ने को उसके मुँह से छुड़ा लेता था; और जब वह मेरे विरुद्ध उठता, तो मैं उसकी दाढ़ी पकड़कर उसे मार डालता और उसे मार देता था।

36 तेरे दास ने सिंह और भालू दोनों को मार डाला है; और यह खतनारहित पलिश्ती भी उनमें से एक के समान होगा, क्योंकि उसने जीवित परमेश्वर की सेनाओं को ललकारा है।"

यदि दाऊद ने परमेश्वर को सिंह और भालू को मारने में अपनी सहायता करते हुए न देखा होता, तो वह गोलियत का सामना करने में सक्षम नहीं होता।

अतीत का परमेश्वर वर्तमान का परमेश्वर है।

जिस परमेश्वर ने सिंह और भालू को मारने में आपकी सहायता की, वही आपको गोलियत को गिराने में सहायता करेगा।

हम जिस भी लड़ाई का सामना करते हैं, वह हमें बड़ी बातों के लिए तैयार कर रही है।

#4, अपनी गोफन का उपयोग करें — उस बात का जिसे परमेश्वर ने आपको दिया है और जिसे आपने अपने जीवन में प्रमाणित किया है

1 शमूएल 17:38-40,50

38 तब शाऊल ने दाऊद को अपने कवच के वस्त्र पहनाए और उसके सिर पर पीतल का टोप रखा; और उसे झिलम का बख्तर पहनाया।

39 दाऊद ने अपनी तलवार अपने कवच के ऊपर बाँधी और चलने का प्रयत्न किया, क्योंकि उसने उन्हें कभी आजमाया नहीं था। और दाऊद ने शाऊल से कहा, "मैं इनके साथ नहीं चल सकता, क्योंकि मैंने इन्हें कभी आजमाया नहीं है।" तब दाऊद ने उन्हें उतार दिया।

40 तब उसने अपनी लाठी हाथ में ली और नाले में से अपने लिए पाँच चिकने पत्थर चुनकर उन्हें अपनी चरवाहे की थैली में, अपने पास की झोली में रखा और अपनी गोफन हाथ में ली। और वह पलिश्ती के निकट गया।

50 इस प्रकार दाऊद ने गोफन और पत्थर से पलिश्ती पर विजय पाई और उसे मार डाला। परन्तु दाऊद के हाथ में तलवार नहीं थी।

हमें उस वस्तु का उपयोग करना चाहिए जिसे परमेश्वर ने हमारे हाथों में रखा है।

उन वरदानों और कौशलों का उपयोग करें जिन्हें आपने परमेश्वर के साथ अपनी यात्रा में प्रमाणित किया है।

#5, परमेश्वर के साथ अपनी वाचा और वाचा निभाने वाले परमेश्वर पर भरोसा रखें

दाऊद ने पहचाना कि वह परमेश्वर के साथ वाचा में था और यह "खतनारहित पलिश्ती" ऐसा व्यक्ति था जो वाचा में नहीं था।

1 **शमूएल 17:45-47**

45 तब दाऊद ने पलिश्ती से कहा, "तू तलवार, भाला और बरछी लेकर मेरे पास आता है; परन्तु मैं सेनाओं के यहोवा के नाम से तेरे पास आता हूँ, जो इस्राएल की सेनाओं का परमेश्वर है, जिसे तूने ललकारा है।

46 आज के दिन यहोवा तुझे मेरे हाथ में कर देगा, और मैं तुझे मारकर तेरा सिर काट डालूँगा। और आज के दिन मैं पलिश्तियों की छावनी की लोथें आकाश के पक्षियों और पृथ्वी के वन-पशुओं को दे दूँगा, ताकि सारी पृथ्वी जान ले कि इस्राएल में एक परमेश्वर है।

47 तब यह सारी सभा जान लेगी कि यहोवा तलवार और भाले के द्वारा नहीं बचाता; क्योंकि युद्ध यहोवा का है, और वही तुम्हें हमारे हाथ में कर देगा।"

परमेश्वर के साथ अपनी वाचा को जानें।

जानें कि परमेश्वर अपने लोगों के साथ अपनी वाचा निभाता है।

परमेश्वर की वाचा "शायद या हो सकता है" नहीं, बल्कि "हाँ और आमीन" है।

#6, विश्वास के लिए जोखिम उठाना और साहस के साथ कार्य करना आवश्यक है

1 शमूएल 17:48

जब पलिश्ती उठकर दाऊद से मिलने के लिए उसके निकट आया, तब दाऊद दौड़कर सेना की ओर पलिश्ती से मिलने के लिए गया।

कल्पना करें कि दाऊद अपने हाथ में गोफन और पत्थर लेकर गोलियत से मिलने के लिए दौड़ रहा था, जो पूरी तरह हथियारों से लैस था और जिसके पास भाला और ढाल आदि थे। इसके लिए बहुत विश्वास और साहस की आवश्यकता थी। यही विश्वास था।

इब्रानियों 11:32 में दाऊद का उल्लेख विश्वास के वीरों में किया गया है।

#7, तत्काल सफलता से आगे देखें

1 शमूएल 18:5,7

5 इसलिए दाऊद जहाँ कहीं शाऊल उसे भेजता था, वहाँ जाता था और बुद्धिमानी से व्यवहार करता था। और शाऊल ने उसे योद्धाओं के ऊपर नियुक्त किया, और वह सारी प्रजा की दृष्टि में और शाऊल के सेवकों की दृष्टि में भी स्वीकार किया गया।

7 तब स्त्रियाँ नाचते हुए गाती थीं और कहती थीं, "शाऊल ने तो हजारों को और दाऊद ने दस हजारों को मारा है।"

यद्यपि दाऊद ने बड़ी सफलता और प्रसिद्धि देखी, फिर भी वह अपने स्थान पर स्थिर रहा।

सम्भवतः, वह जानता था कि यह "तत्काल सफलता" उस पूरी यात्रा की ओर बढ़ने का केवल एक कदम थी जो अभी उसके सामने थी। उसने अपनी जीवन की जिम्मेदारी पर अपनी दृष्टि बनाए रखी — एक दिन इस्राएल का राजा बनना।

प्रारम्भिक सफलता को आपको अपने मार्ग से न भटकने दें।

अपने जीवन की जिम्मेदारी पर अपनी दृष्टि बनाए रखें ताकि आप अपने स्थान पर स्थिर रहें।

#8, हमेशा बुद्धिमानी से चलें और अपने से ऊपर के लोगों का सम्मान करें

1 शमूएल 18:5,14,30

5 इसलिए दाऊद जहाँ कहीं शाऊल उसे भेजता था, वहाँ जाता था और बुद्धिमानी से व्यवहार करता था।

14 और दाऊद अपने सभी कामों में बुद्धिमानी से व्यवहार करता था, और यहोवा उसके साथ था।

30 तब पलिश्तियों के प्रधान युद्ध करने के लिए निकलते थे। और जब भी वे निकलते थे, दाऊद शाऊल के सभी सेवकों से अधिक बुद्धिमानी से व्यवहार करता था, इसलिए उसका नाम बहुत प्रतिष्ठित हो गया।

यशायाह 33:6

"तेरे समयों की स्थिरता, और उद्धार का बल बुद्धि और ज्ञान होंगे; यहोवा का भय उसका भण्डार होगा।"

इस समय योनातान और दाऊद में गहरी मित्रता हो गई। ईश्वरीय सम्बन्धों और मित्रताओं को पहचानें।

सफलता और प्रसिद्धि आपके चारों ओर होने पर भी बुद्धिमानी से चलें।

बुद्धि और ज्ञान स्थिरता लाते हैं और आपको लम्बी यात्रा के लिए स्थिर बनाए रखते हैं।

दाऊद ने राजा शाऊल का सम्मान करना जारी रखा, भले ही शाऊल उसके लिए खतरा था और उसे मारने का प्रयास कर रहा था।

कुछ लोग आपकी सफलता, बुद्धि और आपके साथ परमेश्वर की उपस्थिति से भयभीत या असुरक्षित महसूस कर सकते हैं। लेकिन आप अपनी दिव्य नियति की ओर अपनी यात्रा पर आगे बढ़ते रहें।

इस चरण के दौरान लिखे गए होने की सम्भावना वाले भजन:

इनमें से कुछ भजनों को यहाँ इसलिए रखा गया है क्योंकि वे सम्भावित/उपयुक्त हैं। ये निश्चित नहीं हैं और कालानुक्रमिक क्रम में नहीं हैं, क्योंकि इनके लिखे जाने की सटीक तिथियाँ ज्ञात नहीं हैं।

ये भजन इस समय के दौरान दाऊद के आन्तरिक आत्मिक जीवन और परमेश्वर के साथ उसकी चाल को प्रकट करते हैं।

भजन 11: जब नींव हिल जाए तो परमेश्वर पर भरोसा

भजन 15: परमेश्वर के साथ रहने वाले व्यक्ति का चरित्र

भजन 16: परमेश्वर पर भरोसा, विरासत और समर्पण

भजन 17: दाऊद की निर्दोष ठहराए जाने की विनती

भजन 20: राजा और विजय के लिए प्रार्थना

भजन 21: विजय के लिए धन्यवाद और राजा पर परमेश्वर की आशीष

भजन 24: महिमा का राजा

भजन 26: खराई और परमेश्वर के सामने चलना

भजन 27: परमेश्वर की उपस्थिति में साहस और भरोसा

भजन 28: प्रार्थना और धन्यवाद